हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 18 अगस्त 2025

11 पौधे लगाना संस्कार, सेवा, कर्तव्य एवं साधना...

12 तरुणा सर्वश्रेष्ठ राधा व यश्वी सर्वश्रेष्ठ श्रीकृष्ण...

मनीषा हत्याकांड: गुनाहगारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लगाया जाम, पुलिस ने भरोसा देकर रास्ता खुलवाया

युवाओं में जबरदस्त रोष, पड़ोसी गांवों के युवा भी उतरने लगे सड़कों पर

डॉग स्क्वायड टीम ने कई घंटे घटनास्थल से खोजे सबूत, गोताखोरों ने भी छाना डिस्ट्रीब्यूटरी का पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

मनीषा हत्याकांड को लेकर प्रशासन की चारो तरफ किरकरी होने के बाद गुत्थी सुलझाने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगा दिया है। रविवार को गांव सिंघानी में डॉग स्क्वायड की टीम पहुंची। घटना स्थल को चिंहित करके टीम में शामिल कुत्तों ने घटना से जुड़े साक्ष्यों को खोजने का प्रयास किया। इस दौरान टीम ने कुछ जगहों से नमूने भी लिए।

इस दौरान सीन ऑफ क्राइम की टीम ने भी घटनास्थल से सबूत एकत्रित किए। डॉग स्क्वायड व सीन आफ क्राइम की टीम करीब तीन से चार घंटों तक सबूतों को तलाशती रही। खैर इस बारे में तनिक भी जानकारी नहीं मिल पाई कि टीमों के हाथ कुछ लगा या नहीं,लेकिन टीमों ने मीडिया या किसी अन्य व्यक्ति से इस बारे में कोई भी बात शेयर करने से इंकार कर दिया। खास बात यह रही कि घटनास्थल के आसपास किसी भी व्यक्ति फटकने तक नहीं दिया। जिस जगह पर छात्रा का शव पड़ा हुआ था। उस जगह के चारों तरफ पुलिस ने रिबन बांध कर नो इंट्री जोन बना दिया। साथ ही जब तक मामले का पटाक्षेप नहीं हो जाता। तब तक इस जगह पर किसी भी व्यक्ति के आने पर पाबंदी रहेगी।

लोहारू। सिंघानी में सबूत खोजती डॉग स्क्वायड टीम। फोटो : हरिभूमि

भारी पुलिस बल तैनात रहा

इलाके के लोगों के साथ पड़ोसी राज्य व जिलों का दबाव बढ़ने के बाद प्रशासन ने सिंघानी से गुजर रही नहर में गोताखोर उतारे। करीब चार घंटे तक गोताखार नहर के पानी को छानते रहे। हालांकि उनको कुछ हाथ लगा या नहीं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं,लेकिन इस दौरान नहर के दोनों तरफ भारी पुलिस बल तैनात रही। पुलिस ने किसी भी व्यक्ति को नहर के नजदीक तक नहीं आने दिया। गोताखोरों का अभियान पूरा होने के बाद ही पुलिस वहां से गई। इस दौरान पुलिस के आला अधिकारी भी पुलिस अधिकारियों से पल पल की जानकारी लेते नजर आए।

पांच घंटे पड़ोसी राज्य राजस्थान से कटा रहा सम्पर्क

बहल। गांव सिंघानी में 11 अगस्त को हुए मनीष हत्याकांड की आग हरियाणा के बाद राजस्थान तक जा पहुंची है। रविवार को हरियाणा की सीमा से लगते राजस्थान के आधा दर्जन गांव के लोगों ने हरियाणा राजस्थान की सीमा पर घटना के आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर करीब पांच घंटे तक जाम लगाया। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों ने कहा कि ढिगावा में धरना कमेटी द्वारा दिए गए निर्धारित समय तक आरोपी नहीं पकड़े गए तो वे सीमा को पूरी तरह से सील कर देंगे। रविवार को हरियाणा की सीमा से लगते बहल कस्बे के पास के राजस्थान के गांव गुगलवा, किरतान, बास भरिंड, रामपुरा बेरी के अलावा अन्य गांव के लोग हरियाणा राजस्थान की सीमा पर नांगल पुलिस नाके पर पहुंचे। इनका साथ देने के लिए हरियाणा के गांव नांगल व अन्य गांव के लोग भी मौके पर पहुंचे। लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और हरियाणा राजस्थान सीमा को जाम कर दिया। सुशील श्योराण, संजय शेखावत और रामपाल लंबोरिया सहित अन्य वक्ताओं ने प्रशासन को चेताया कि यदि हत्याकांड के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। बहल पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। थाना प्रभारी ने एसपी भिवानी से बातचीत कर आश्वासन दिया कि दो दिन में आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। करीब पांच घटे तक चले जाम के बाद आंदोलनकारियों ने धरना समाप्त कर दिया। धरने में जॉनी शेखावत, भरत सिंह लंबोरिया, मिंटू मुंड, कृष्ण तेतरवाल, राजकुमार मेघवाल, सुमित वर्मा, अनिल मलिक, सुनील कसवां, ढील्लू सोनी, कालू संगवान, रवि शर्मा, चरण सिंह पूनिया, अनिल तंवर समेत क्षेत्र के सैकड़ों लोग शामिल हुए।

जांच निगरानी को बनी समिति

बहल। जाम लगा रहे लोगों को समझाती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों ने मांगों को ठोस रूप देने के लिए एक समिति का गठन भी किया है। तय हुआ कि अगले दो दिनों तक 20 ग्रामीण प्रतिदिन नांगल पुलिस चौकी जाएंगे और जांच की प्रगति रिपोर्ट लेंगे। धरने के साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि मृतक मनीष को श्रद्धांजलि अर्पित करने और आमजन को संदेश देने के लिए ग्राम गुगलवा के बाबा लाल गिरी मंदिर से शाम 8 बजे कैंडल मार्च निकाला जाएगा।

मनीषा को न्याय दिलाने को दादरी में सड़कों पर उतरे

चरखी दादरी। लोहारू गांव ढाणी लक्ष्मण निवासी प्ले स्कूल की टीचर मनीषा की हत्या मामले की चिंगारी अब दादरी भी पहुंच गई है। रविवार को सामाजिक संगठनों ने मनीषा के हत्यारों की गिरफ्तारी में देर को लेकर लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया और न्याय की मांग की। प्रदर्शन में दादरी व्यापार मंडल, किसान यूनियन, रामलीला कमेटी, गौरक्षक दल, खाप व विभिन्न संगठनों ने हिस्सा लिया। कृष्ण फौगाट ने कहा कि मनीषा हत्याकांड की गुत्थी आज तक ना सुलझना कानून व्यवस्था का फैलियर है। भगत सिंह सेनाध्यक्ष कृष्ण फौगाट ने कहा जो ढिगावा धरना कमेटी फैसला होगा, दादरी के संगठन उस फैसले में पूरा साथ देंगे। वक्ताओं ने कहा कि आरोपियों को फांसी की सजा होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसा अपराध करने से पहले आरोपी की रूह कांप जाए। मौके पर रिंपी फौगाट, जयभगवान मस्ताना रणधीर, जगबीर, रामकिशन आदि उपस्थित थे।

हत्याकांड को अंजाम देने वाले जल्द होंगे सलाखों के पीछे: श्रुति चौधरी

लोहारू। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई व जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी रविवार को मनीषा हत्याकांड को लेकर ढिगावा में चल रहे धरना स्थल पर पहुंची। उन्होंने धरने पर पहुंचे लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ-साथ पूरी प्रदेश सरकार और प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ है। जल्द से जल्द अपराधी सलाखों के पीछे होंगे और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने का काम किया जाएगा। श्रुति चौधरी ने कहा कि इस घटना का पता चलते ही उन्होंने उसी समय मुख्यमंत्री से बात की। मुख्यमंत्री ने तुरंत प्रभाव से संज्ञान लिया और ड्यूटी को ड्यूटी नहीं करने वाले तथा इस घटना को गंभीरता से ना लेने वाले लापरवाह पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सस्पेंड किया। इसके साथ ही एसपी का तुरंत प्रभाव से तबादला किया गया। किसी भी अधिकारी का निलंबन कोई खुशी की बात नहीं होती, यह उसकी एसीआर में दर्ज होता है। इस हत्याकांड की जितनी निंदा की जाए कम है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि हत्याकांड में शामिल अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए।

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

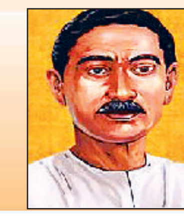

गतांक से आगे...
अभी तक आपने पढ़ा कि शारदा की साहब से शादी हो जाती है। साहब कम बोलते हैं। शारदा इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि घर में शोर-शराबा न हो। शारदा के दो बच्चे हो चुके हैं। बच्चों के जन्म के बाद वह समझ पाती है कि जीवन में आवाज का क्या महत्व है। साहब की मां स्वर्ग सिधार गई हैं। अब साहब ने कॉलेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है और ज्यादातर वक्त वे पढ़ने-लिखने में ही बिताते हैं। अब आगे...

कहानी
नवरत्न

आवाज़ें

अम्मा जी चली गई हैं। साहब ने उन्हें चुपचाप विदा कर दिया है। अब तो अकेले ही दरख़्तों के साए में अपने हुक्के के साथ बैठते हैं। शाम को अक्सर अम्मा जी की जगह शारदा होती है। चुपचाप उन्हें पढ़ते-लिखते हुए या हुक्का गुड़गुड़ाते हुए देखती हुई शारदा ... बच्चे बड़े हो रहे हैं... पड़ोस में एक आध मकान और बन गया है। जिससे आवाजों की आमद बढ़ गई है। नए मकान का मुहूर्त है और पड़ोस में थोड़ी रेलम-पेल है। नए पड़ोसी थोड़े ज्यादा ही बोलने-चालने वाले किस्म के लोग हैं। बोल बोल कर, नाच-गाकर जिंदगी का आनंद मनाने वाले लोग.. साहब को न्योता देने आए हैं। चाहते हैं कि पड़ोस में जान-पहचान बढ़े।

साहब चुपचाप हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं। शारदा थोड़ी विचलित है कि अब उन्हें कैसे बताए... कि ये इस तरह के समारोह में शामिल नहीं होते। अब कुक्कू के कान में दर्द हो तो शारदा साहब के सोने की अलग कमरे में व्यवस्था कर सकती है। निक्की को बुखार हो या दोनों भाई-बहन आपस में खेलते-खेलते झगड़ा करने लगें तो शारदा के पास समाधान है। अब इस नई समस्या का तो उसे कोई समाधान नजर नहीं आता। लेकिन ऐसा भी नहीं कि साहब को ये चीजें बिल्कुल ही नागवार गुजरें। बस! इतना है कि वे न्योता देने वालों की बातों को सिर्फ सुन रहे हैं। बहुत हुआ तो वे उनके कई वाक्यों के बाद अपनी संक्षिप्त सी 'जी' से काम चला देते हैं। फिर... एक व्यक्ति और आ गया है जो शायद पहले वाले को बुलाने आया है। साथ में कुछ बच्चे भी आ गए हैं। बड़े प्यारे-प्यारे बच्चे हैं। निक्की और कुक्कू की आज छुट्टी है और जाने कब बच्चों की छोटी सी दुनिया में दोस्ती का दीप जगमग आ उठा है। शारदा ने निक्की के हाथ एक पानी का जग और गिलास भेजे हैं शिष्टाचारवश। साहब ने उन्हें पानी पिलाया है.. साथ ही आगंतुकों ने साहब को यह भी बताया है कि.. 'जी आज तो लेडीज संगीत का कार्यक्रम है। शाम को जवान बच्चे नाच-कूद लेंगे इस बहाने और कल सुबह दस बजे गृह प्रवेश है। आप मैडम के साथ, बच्चों के साथ, जरूर आइएगा।'

साहब ने कोई जवाब नहीं दिया है। बच्चों को खेलते हुए महज देख रहे हैं। फिर कुछ औरतें पारंपरिक परिधानों में सजकर गीत गाती हुई सुनाई दे रही हैं। बच्चे.. निक्की और कुक्कू के साथ खेलते-खेलते अंदर आ गए हैं। अब बच्चे तो बच्चे हैं, उन्हें कागजों पर लिखी बातों का क्या पता? वे विस्मय से भरे ..कमरों में भरी किताबों को देख रहे हैं। कभी-कभी किसी कागज को भी उठा लेते हैं। फिर उस कागज को यूं ही गिराकर कोई और पत्रिका उठा लेते हैं। उनके लिए तो सब कुछ महज खेलने की चीजें हैं। दुनिया एक खेल है... जिंदगी एक खेल है... यहां जी रहा प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग तरीकों से खेल रहा है। लेकिन शारदा असहज है। वह भारी द्वंद्व में है। बच्चों की आवाजों को बड़ी शिद्दत से सुन रही है। निक्की और कुक्कू का यूं बच्चों के साथ खेलना उसे सुकून दे रहा है। लेकिन बच्चे शोर कर रहे हैं। उनका शोर करना, आवाजें करना उसे अखर रहा है। शाम को जैसा कि शारदा को पहले ही अंदेशा था.. सात बजते-बजते डीजे शुरू हो गया .. खूब तेज आवाज में ...साहब भीतर अपने कमरे में हैं और खाना खा रहे हैं। शारदा खिड़कियां बंद कर रही है ताकि आवाज अंदर ना आ सके। लेकिन खिड़कियां - दरवाजे बंद करने से भी ज्यादा असर नहीं पड़ रहा और आवाजें बाकायदा अंदर आ रही है। हंसने की आवाजें, गाने की आवाजें, जोर-जोर से बोलने की आवाजें और सबसे तेज आवाजें... पटाखों की आवाजें... शारदा विचलित तो नहीं... लेकिन असहज है.. क्योंकि बारह साल में ऐसी स्थिति पहली बार आई है जब उसे अपने घर में इतना शोर सुनाई दिया है। साहब चुपचाप लेटे हैं। उन्होंने असहज और परेशान शारदा की ओर महज देखा भर है और अपने देखने भर से यह जता दिया है कि रहने दो, कोई बात नहीं... कई बार कुछ आवाजों का कोई समाधान नहीं होता। दोनों बच्चे बिल्कुल बेफिक्री से सो रहे हैं। साहब जाग रहे हैं। आवाजों का सिलसिला जारी है। शारदा अभी जाग रही है। हालांकि उसने कोशिश की है साहब के तलवों और सिर में तेल की मालिश करके उन्हें सुलाने की। लेकिन पटाखों की आवाज के साथ ही वे चौंक पड़ते हैं। कभी-कभी उठ कर बैठ भी जाते हैं। लिखने-पढ़ने वाले विचारशील व्यक्ति हैं। सोच रहे हैं कि जीवन में आवाजों का आदी होना भी कितना जरूरी है। आवाजों के समंदर में डूब कर बेखुदी में जीना कितना आसान हो जाता है। शारदा की

> *वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा*

आंखें शायद लग रही हैं। वह तंद्रा में ही विचार कर रही है कि कुछ आवाजें कितनी अच्छी होती हैं कि वे आती हैं और बच्चों के लिए खेलने का सामान कर जाती हैं। बच्चे स्कूल में तो भले ही खेलते होंगे घर में तो वे आज ही खेले हैं, पड़ोस के बच्चों के साथ। सोचते-सोचते वह सो गई। रात का एक बज गया है, अब शायद आवाजें थक गई हैं। उनमें एक बोझिल आकार पैदा हो गया है। अब थोड़ी-थोड़ी देर में आ तो रही हैं लेकिन अलसाई हुई सी, उनमें थकान है। शायद नशा भी है और कभी-कभी एक नींद की खुमारी भी सुनाई पड़ रही है। पटाखे भी अब थक गए हैं और डीजे भी कम से कमतर हो गया है। रात्रि का मौन पसर रहा है। आज इतवार है तथा बच्चों की छुट्टी है। पड़ोस में फिर चहल-पहल सुनाई पड़ रही है। गृह प्रवेश के लिए हवन का कार्यक्रम शुरू हुआ है। हवन के मंत्रोच्चार भी बाकायदा माइक में बोले जा रहे हैं। आहूतियों के सिलसिले में स्वाहा का समवेत स्वर माहौल को ऊर्जा नृत्य कर रहा है। शारदा का यह साफ-सफाई का वक्त है। सफाई करते हुए वह सोच रही है कि एक बार शिष्टाचार के नाते, औपचारिकतावश ही सही, वह पड़ोस में जा आएगी.. क्योंकि सुबह भी दो महिलाएं बुलावा देने के लिए आई थी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजी-धजी, हवन का प्रसाद लेकर गई थी। उनके साथ बच्चे खेलते हुए यहीं रुक गए थे। साहब नहा-धोकर, बाहर शहतूत तले, उनकी प्रिय जगह पर अपने हुक्के के साथ बैठे हैं। आंखों में रात भर न सोने के कारण थकान है। शारदा नहा धो चुकी है। उसने कॉटन सिल्क की साड़ी पहनी है। बस साहब के लिए नाश्ता बनाना है, फिर बच्चों के साथ वह थोड़ी देर के लिए पड़ोस में चली जाएगी। हवन हो चुका है व मंत्रोचार के समवेत स्वर सुनाई नहीं पड़ रहे हैं। शारदा रसोई में है और बच्चे दूसरे कमरे में खेल रहे हैं। वह बीच-बीच में दो-तीन बार उन्हें खेलते हुए फुसफुसाकर ताकीद कर आई है कि आवाजें नहीं, चुपचाप खेलते रहो। लेकिन अब की बार वह बच्चों वाले कमरे में आई तो पड़ोस का एक बच्चा कागज से हवाई जहाज बना रहा था। उसने शायद किसी पत्रिका से पृष्ठ फाड़ लिया है। शारदा के लिए यह अप्रत्याशित था। उसने निक्की को पास बुलाकर धीरे से फुसफुसाया.. पापा के लिए नाश्ता बना रही हूं, फिर पड़ोस के फंक्शन में चलेंगे, तब तक तुम सब बच्चों को बराबर वाले लान में, गुलमोहर के नीचे, खेलाओ और बाहर से दरवाजा बंद कर जाओ, नहीं तो ये बार-बार आकर पापा के कागज उठाएंगे। निक्की समझ गई.. वह इन सब में बड़ी बच्ची है.. उसने ऐसा ही किया, बाहर बरामदे का दरवाजा बंद कर दिया ताकि मम्मी आराम से नाश्ता बना सके। साहब को मिट्टी की हंडिया में बना हुआ दलिया नाश्ते में पसंद है। उनका मानना है कि खाने की चीजें भी जितनी धीरे पकती हैं उनमें स्वाद बरकरार रहता है। तेजी से पकी हुई चीजें बे-स्वाद होती हैं। शारदा भी समझ चुकी है कि जिंदगी धीरे धीरे, आराम से और सुकून से जी जाती है। वह दलिया धोकर मिट्टी की हांडी में डालते हुए भी साहब के बारे में ही सोच रही है कि वे रात भर आवाजों से दो-चार रहे और सो न सके। लेकिन बाहर अब सब कुछ शांत है बिल्कुल शांत ... कोई आवाज नहीं आ रही.. सोच कर.. उसे अच्छा लगा। कुछ देर से बच्चों की ओर से भी आवाज नहीं आ रही है। वह सोच रही है शायद बच्चे भी खेलते हुए पड़ोस के समारोह की ओर निकल गए होंगे। साहब नाश्ता करके शायद थोड़ा आराम करें और उनकी आंख लग जाए तो अच्छा हो। वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा ... हालांकि रसोई से बाहर... बरामदे की ओर...वह भागी ..लेकिन भागी तो ... सिल्क और भी भभकी ... अबकी बार। शहतूत के दरख्त के नीचे साहब किसी साहित्यिक पत्रिका में उलझे हैं। हालांकि बीच में उनकी चेतना कुछ समय के लिए घर के मुख्य दरवाजे की ओर गई और उन्होंने बाकायदा देखा भी कि बाहर से बंद है और हल्के-हल्के थपथपाया जा रहा है। कुंडी बाहर से साफ दिख रही है। दोनों किवाड़ धीरे-धीरे आगे-पीछे होते हुए दिखाई दे रहे हैं लेकिन फिर उन्होंने यह सोचकर ध्यान हटा लिया कि बच्चे हैं और पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहे हैं। पत्रिका में आलेख छपा है .. आवाजों के जंगल में जिंदगी की तलाश... उन्होंने शीर्षक देखा ... उन्हें शीर्षक अच्छा लगा है। शीर्षक से ही उन्हें साफ महसूस हुआ कि आलेख किसी को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा पढ़ने के लिए। लेकिन कुछ जलने की गंध और उनके नासा पुट सक्रिय ....उन्होंने फिर घूम देखा... तो बरामदे के अंदर वाले रोशनदान से धुआं निकल रहा है... मटमैला सा धुआं ... उनकी समझ में कुछ नहीं आया।

वे उठे... कि उन्हें लगा कि जैसे कुछ अप्रिय घटित होने की आशंका के साथ और वे लगभग दौड़ ही पड़े....कुंडी खोली तो अंदर का हृदय विदारक दृश्य ... उन्होंने जिंदगी में पहली दफा किसी नाम को इतनी जोर से पुकारा... शारदा ....ssssss.. और शारदा ने बमुश्किल आंखें खोली और फौरन हाथ से इशारा करते हुए अपनी तर्जनी होठों पर रख ली।... और इस तरह से साहब की जिंदगी से उस दिन उस आखिरी आवाज ने विदा ली। आजकल वे खोजते फिरा करते हैं आवाजों को... वे मानते हैं कि आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें हैं। आवाजें हमारे होने को तस्दीक करती हैं.. या कि कुछ आवाजें खूबसूरत हुआ करती हैं। उनका होना हमारी जिंदगी को सार्थक कर जाता है। आवाजें लहरों से समंदर की छाती पर अलविदा लिख दिया करती हैं। आकाश की पीठ पर बादलों की आवाजें बरसात नहीं... असल में जिंदगी ही तो लिखा करती हैं। **(समाप्त)**

कविता
राकेश कुमार सपड़ा

तकदीर

निहार लेते और दो घड़ी
जो मालूम होता
अब होगी ना मुलाकात हमारी।

कहते दिल की अपनी
सुनते तुम्हारी
ना कहते
मिलेंगे फिर
होते वक्त विदा
रोक लेते तुम्हें
जो होता मालूम
हमेशा को
हो रहे हैं जुदा
अलविदा कहने को भी
होगी ना अब भेंट हमारी।

यादें तुम्हारी
ना दिल से मिटायेंगे
बितेगा सफर यूँ ही
इक रंगी हमारा
ना होगा ओझल
रहेगा बसा आँखों में
वो अक्स तुम्हारा
चलेंगे हम
संग होगा साया तुम्हारा।

काश दे के आवाज तुम्हें
बुला पाते
एहसास अपने जज्बातों का
दिला पाते
पता जो मालूम होता तुम्हारा
भेज के पाती
बहाने से तुम्हें किसी भी
बुला पाते
कसमें जो रह गई हैं अधूरी
वो निभा पाते।

ख्वाबों का ही अब सहारा होगा
हमसफर कोई दूजा ना हमारा होगा
याद में तुम्हारी
नम आँख में जो आँसू होंगा
कहने को हमारा
नाम उस पर तुम्हारा ही होगा।

कविता
अंजु कपूर गांधी

नारी

सच कहूं तो हर नारी
जिम्मेदारियों के बोझ तले
खुद के सपनों को दबाए
चलती रही ताउम्र बोझा
अपने सिवाए ,सबका उठाए
थकती पर रुकती नहीं है
चलती जाती
जीवन होम किया
फिर भी
अंत ठगा खुद को है पाती
सबसे बड़ी ठगी तो वो है
खुद से ही जो करती जाती
आती -जाती श्वासों में ये जीवन खेले
इससे पहले मृत्यु निज आगोश में ले
लक्ष्य जो चिन्हित किये थे
उनको पाना याद कर
हैं बची सांसें ये जितनी
अब तो अपने नाम कर
खोल दे बंद मुठ्ठियां
ख्वाहिशों को पंख लगा
पांव जमीं पर रहें...
'अंजु' व्योम छू के आ !

लघुकथा
विश्वदीपक त्रिखा

कामवाली बाई

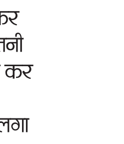

पिछली कामवाली बाई छोड़ गई थी। नई कोई मिल नहीं रही थी। दिक्कत बहुत थी। हम दोनों ऑफिस चले जाते तो घर में बच्चे और बच्चों के दादा-दादी अकेले होते। किसी ने बताया कि दिल्ली में एजेंसी से मिल जाएगी मेड। उनसे बात की। उन्होंने एडवांस पेमेंट ली और उन्हीं का आदमी साथ लेकर आया। एग्रीमेंट पर हमारे हस्ताक्षर करवाए और मेड को छोड़ कर चला गया।

मेड का नाम था लवली। 32/33 की उम्र थी। बंगाल की रहने वाली थी। बंगाली बोलती थी। टूटी-फूटी हिंदी भी बोल लेती थी। दो-चार दिन के बाद उसने मोर्चा संभाल लिया। काम आसान हो गया। खाना बहुत ही अच्छा बनाती थी। और किसी किस्म के नखरे भी नहीं थे। एक साल बाद बोली कि भैया घर जाऊंगी, टिकट बुक करवा दो। मैंने टिकट बुक करवा दी। एक महीने बाद वापस आई तो रो रही थी। बोली भैया रास्ते में टीटी ने 2000 रुपये जुर्माना लगा दिया। आधार कार्ड दिखाया तो कहता टिकिट किसी और के नाम से है।

मैंने कहा, आधार दिखाओ। आधार कार्ड देखा तो उस पर नाम था आबिदा बेगम। टिकट मैंने लवली के नाम से करवाई थी। मेरा काटो तो खून नहीं। मैंने पूछा, लवली आप मुसलमान हो क्या। बोली, हां भैया।

मैं उठ कर दूसरे कमरे में चला गया। मेरी बीवी भी पीछे आ गई। हम दोनों ही परेशान कि ये क्या हुआ हमारे साथ। धोखा ये नहीं कि वो मुसलमान है। धोखा ये कि हमें एजेंट ने या खुद लवली ने ये सब बताया क्यों नहीं। एग्रीमेंट लवली के नाम से ही बना था। हमने उस वक्त आधार देखने की जरूरत ही नहीं समझी। थोड़ी देर में जब हम सदमे से उभरे तो बाहर आकर उसको चाय बनाने के लिए बोला और पहले जैसे ही हंस बोल कर माहौल को हल्का बनाने की कोशिश की ताकि उसको महसूस न हो।

मैं ठहरा ब्राह्मण, वो भी असली वाला और मेरे घर में कामवाली मुसलमान, कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करू। उसके गुण देखूं कि उसका धर्म देखूं। जो गुण थे उसमें, उसके सामने उसका धर्म गौण लगा मुझे। मैं कोई सेकुलर नहीं हूं। कट्टर हिंदू हूं लेकिन कुछ रिश्ते इन सब से ऊपर हो जाते हैं। शायद उसका हमारा रिश्ता कुछ ऐसा ही बन चुका था। वो उमर में मेरे से छोटी थी पर डांटती ऐसे थी जैसे कि मेरी मां हो। घर में चलती भी उसी की थी। मैं कभी बीवी को डांट दूं तो मेरे को डांट दिया करती। कभी मेरे से कोई गलती हो जाती तो मेरी खैर नहीं। हमारे घर में क्या कहां पड़ा है सब उसी को पता होता था न कि मेरी बीवी को। एक तरह से वो घर की कंप्लीट केयरटेकर थी। सब वैसे ही चलता रहा। ईद में मेरी बीवी उसके लिए सिवांइया बनवाती। दीवाली में हमारे साथ वो पूजा करती। उसने हमारे घर 16 साल काम किया। कोरोना की दूसरी लहर में घर गई। फिर वापस आई और एक साल और काम किया लेकिन उसके बाद उमर हो गई थी उसकी भी 50 के आसपास। अब काम नहीं होता था उससे। बोली, जाऊंगी वापस घर। मेरी बीवी ने बहुत रोका, बोली रुक जाओ। हमें आपकी आदत सी हो गई है। लेकिन चाहते हुए भी वो नहीं मानी। खैर, इतना ही साथ था हमारा। हम उसको दिल्ली स्टेशन पर छोड़ने गए। ट्रेन चली तो हम तीनों की आंखों में आंसू थे।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को जटिल,लेकिन अत्यंत रोचक करार देते हुए कहते हैं कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने साहित्य की प्रकृति, पहुंच और अभिव्यक्ति के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। साहित्य अब केवल शब्दों का खेल नहीं रहा, वह मल्टीमीडिया अनुभव बनता जा रहा है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देता साहित्य : डॉ. सत्यबीर 'निराला'

भारतीय संस्कृति में साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता है। इसलिए सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर लेखन के जरिए साहित्य साधना कर रहे साहित्यकार संस्कृति और परंपराओं और सभ्यता के प्रति समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह ऐसे ही साहित्यकार हैं, जिन्होंने पद्य, दोहे, वर्णमाला, चौपाई, भजन, हरियाणवी भजन व बारह मास जैसी विधाओं में सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देने का प्रयास किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को साहित्य संवर्धन का हिस्सा बनाकर उन्होंने हरियाणवी भाषा और संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए कला और संगीत की विधाओं में भी एक कलाकार व गायक और समाजसेवा की भाव के साथ अपनी पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति के प्रति प्रेरित करने पर बल दिया है। वरिष्ठ साहित्कार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' का जन्म 24 अक्टूबर 1956 को रोहतक जिले के गाँव निगाना में एक सामान्य कृषक परिवार में बनारसी दास नम्बरदार व सरबती देवी के घर में हुआ। परिवार में पारिवारिक पृष्ठभूमि में कोई साहित्यिक या सांस्कतिक माहौल नहीं था, लेकिन उन्हें बचपन से ही भजन और गीत गाने का बहुत शौक था। हालांकि होश संभालने के बाद मध्यम वर्ग का परिवार होने की वजह उनके जीवन में भी आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अल्पायु यानी 14 या 15 वर्ष की उम्र में ही लिखना शुरू कर दिया था। वक्त के साथ जब वह बड़े हुए तो उन्होंने अपनी पढाई के साथ में संगीत की शिक्षा ग्रहण करनी भी जारी रखी और जल्द ही वह बड़ी स्टेजों पर बतौर गायक तथा हारमोनियम वादक के तौर पर कार्य करने लगे। समय के साथ ख्याति बढ़ती गई और उन्हें फिल्मों, नाटकों में गीत लिखने के लिए तथा बतौर संगीतकार के तौर पर कार्य करने के अवसर मिलते रहे, लेकिन कहीं न कहीं मन में एक टीस बाकी थी कि उनकी रचनाएं किस प्रकार आने वाली पीढ़ी को जागरूक करे। इसलिए उन्होंने साहित्य लेखन की तरफ अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए। साहित्य सृजन करते हुए वह अब तक करीब 78 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। हालांकि दस पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। कवि धर्म संसद में सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने शुभ आशीष देते हुए उन्हें साल 1990 में 'निराला' उपाधि से नवाजा। हालांकि घर परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकारी नौकरी करने तथा साहित्य लेखन व संगीत के कार्य में सामंजस्य बैठाने में वास्तव में उन्हें बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन हरियाणा सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद खासतौर से साहित्यिक क्षेत्र की दृष्टि से उन्हें बड़ी राहत मिली। इसलिए अब वह लगातार दिन-रात साहित्य सृजन तथा साहित्यिक गतिविधियों में इतना व्यस्त रहने लगे और अब तक वह करीब 75 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। साहित्य और संगीत में पीएचडी की मानद उपाधि हासिल कर चुके डॉ.सत्यबीर सिंह, आमतौर पर उनके लेखन का फोकस हर विषय पर रहा है, लेकिन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों, अध्यात्म एवं जनजागृति पर आधारित रचनाओं पर ज्यादा कलम चलाई है। साहित्य सृजन के अलावा वह सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रीय हैं और निराला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक निदेशक के रूप में वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में अब तक 150 महिलाओं एवं लड़कियों को निःशुल्क एडवांस बेसिक कंप्यूटर कोर्स और बेसिक कंप्यूटर कोर्स करवाए जा चुके हैं। वहीं पौधरोपण, रक्तदान आदि गतिविधियों तथा धर्म प्रचार-प्रसार कार्यों में अहम वह लगातार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने बताया कि वह अब तक हरियाणवी भाषा में 250 से ज्यादा गीत, कविताएं लिख चुके हैं, जिसमें उनकी एक पुस्तक 'टूटता तारा' हरियाणवी भाषा मे प्रकाशित हो चुकी है। बतौर संगीतकार, गीतकार, गायक एवं अदाकार के रूप में कई हरियाणवी फिल्मों, टेलीफिल्मों तथा नाटकों में कार्य किया। वे कहते हैं कि साहित्यकारों को अपनी रचनाओं और लेखों को रोचक व प्रासंगिक बनाने के लिए विज्ञान, राजनीति, समाजशास्त्र के साथ साहित्य का संवाद स्थापित करना होगा।

प्रकाशित पुस्तकें

निराला' ने अब तक हिंदी व हरियाणवी भाषा में 75 से ज्यादा पुस्तकें लिखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से आइना - ए-निराला, सत्य की ओर, दरकते-रिश्ते, अदालत, प्यार का पैगाम,घटता आँचल, टूटता तारा (हरियाणवी), संत बाबा मेहरशाह (ग्रंथावली) शामिल हैं। उनकी साझा संग्रह पुस्तकों में 'पौत्र प्रभाविकरण', 'तनै कर दिया इसा कमाल', 'गुरु कृपा', 'संस्कारों की क्यारी', 'प्यारा नंद लाला', 'भारत माता की जय', 'मेघा पुष्प', 'कविता कौमुदी' के अलावा प्रकाशनाधीन साझा संग्रह पुस्तक 'एकता', 'बेरहम' और 'महिलाओं की प्रधानता और नेतृत्व' शामिल हैं।

डॉ .सत्यबीर सिंह 'निराला'

पुरस्कार व सम्मान

डॉ. सत्यबीर को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से 'हरियाणवी भाषा के विकास की संभावनाए' विषय पर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उनको प्रमुख रूप से राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान, राष्ट्रीय कबीर कोहिनूर सम्मान, 'बाल अधिकार साहित्य सम्मान, अटलश्री सम्मान, विधा भास्कर निराला सम्मान, कवि महेन्द्र सिंह नंबरदार स्मृति सम्मान, मिसरी-जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव साहित्य सम्मान, प्रकृति गौरव सम्मान, संस्कृति प्रेमी सम्मान, सनातन धर्म और साहित्य सम्मान शामिल हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला'
जन्मतिथि :24 अक्टूबर 1956
जन्म स्थान :गांव निगाना, रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : इंटरमिडिएट, पीएचडी उपाधि
संप्रति : साहित्यकार, संगीतकार, गायक एवं समाजसेवी, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्त।

वेदना और संवेदना का मिश्रित रंग है अमूर्त काल

पुस्तक : अमूर्त काल
लेखक : अजय रोहिल्ला
मूल्य : 350 रुपये
प्रकाशक : आधार प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा
भारत भूषण शर्मा

अजय रोहिल्ला एक विद्रोही वजूद का मानवीय नाम है, जो उनकी सोच, समझ और स्वभाव का प्रतिबिंब बनकर, कभी उन्हें रंगमंच का कलाकार, कभी निर्देशक, कभी सिल्वर स्क्रीन पर एक सक्षम अभिनेता तो कभी चित्रकार के रूप में सामने लाता है। उनके विद्रोही और आक्रामक स्वभाव का एक नया रूप कवि के रूप में देखने को मिला है।

उनका कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के रूप में हमारे सामने है। हालांकि, अजय की कविताओं को मैंने इस संग्रह से हटकर भी पढ़ है। कई संदर्भों में महसूस किया है। अजय रोहिल्ला की कविताओं को समझने से पूर्व यदि उनके कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के शाब्दिक, व्याकरणिक अर्थ को समझ लेंगे तो इन रचनाओं को समझने में आसानी होगी। 'अमूर्त काल' यानि जो किसी स्पष्ट क्रिया या निश्चित समय का संकेत नहीं देते, बल्कि किसी कार्य की सामान्य स्थिति, इच्छा भावना या संभावना को प्रकट करते हैं। कविता संग्रह 'अमूर्त काल' एक गूढ़ अवधारणा है, जो कवि को समय की सीमाओं पर जाकर अनुभूति, स्मृति, कल्पना और भावना के माध्यम से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देती है। उपरोक्त व्याकरणिक परिभाषा के अनुरूप अजय रोहिल्ला अपनी सोच, अपनी काल्पनिकता और अपने विद्रोही तेवरों को कविताओं के माध्यम से उकेरने में सफल हुए हैं। उनके कविता कौशल के कुछ शानदार, उद्वेलित करने में सक्षम नमूने देखिए-

युद्ध एक काला घाव
जो आकाश फटता है
उसके छींटें
हड्डियों की चीख, बारूद की गंध
पर नजर पड़ते ही
वह घाव सिकुड़ता है
और कीचड़ में खिल उठता है कमल
जो रात के स्वप्न में तैरता है...

इनके अलावा भी बहुत सी घायल संवेदनाएं, आहत अहसास और सहमी हुई सिसकियां हैं, जो अजय रोहिल्ला के 'अमूर्त काल' में उसने वेदना और संवेदना के मिश्रित रंगों से उकेरी हैं। 'अमूर्त काल' में छपी उसकी सभी रचनाओं के केंद्र में विश्व मंच पर लगातार हो रहे इंसानियत के ह्रास की तस्वीर नजर आती है। इस कविता संग्रह को उस शख्स को एक बार तो अवश्य पढ़ लेना चाहिए, जो समाज और समय में संक्रमित हो रहे संदर्भों से विचलित होने में सक्षम हो, जिसके अंदर इंसानियत को जिंदा रखने की ललक भी हो।

खबर संक्षेप

रेशनलाइजेशन नीति का जताया कड़ा विरोध

भिवानी। हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्ज यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की बौंद शाखा की बैठक भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी के बडेसरा माइनर हेड पर शनिवार को संपन्न हुई। मीटिंग की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान नरेश बामला ने की तथा मंच का संचालन ब्रांच सचिव सुरजीत रंगा ने किया। राज्य उपप्रधान सुरजभान जटासरा व जिला उपप्रधान रामशरण खुंडियां ने सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में की जा रही युक्तिकरण नीति की निंदा की।

भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री बने संदीप

भिवानी। भारतीय मजदूर संघ भिवानी जिला कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन तोशाम में हुआ। बैठक में प्रदेश महामंत्री हवासिंह मेहला एवं विभाग प्रमुख हवासिंह तंवर विशेष तौर पर उपस्थित रहे। मेहला ने कहा कि संगठन का जन्म 23 जुलाई 1955 को हुआ और 70 वर्ष में ये दुनिया का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है।

पुरानी पेंशन बहाली की उठाई मांग

भिवानी। हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्ज यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की जिला भिवानी की आईबी निंगाना सिविल ब्रांच की मीटिंग रविवार को आरडी-82 हजार पर संपन्न हुई। मीटिंग की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान जगदीप फौगाट ने की। इस मौके पर मुख्य रूप से राज्य के सहसचिव संदीप सोरखी भी मीटिंग में मौजूद रहे।

फोटोग्राफर भाईचारा ग्रुप ने लगाया रक्तदान शिविर

भिवानी। मानव जीवन बचाने में रक्त के महत्व को समझते हुए भिवानी फोटोग्राफर भाईचारा ग्रुप ने रविवार को महम रोड दीनबंधु सर छोटूराम चौक स्थित कैरियर प्लेनेट प्ले स्कूल में रक्तदान शिविर लगाया। शिविर का मुख्य उद्देश्य कैंसर के मरीजों की सहायता करना था। शिविर में 131 युवाओं ने रक्तदान किया। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने कहा कि रक्तदान करना महान एवं पुण्य का कार्य है।

आर्यन कोचिंग सेंटर में मनाया स्वतंत्रता दिवस

चरखी दादरी। स्वतंत्रता दिवस पर आर्यन कोचिंग सेंटर परिसर में कार्यक्रम का आयोजन संचालक श्रीभगवान शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराते हुए देश के लिए बलिदान देने वाले सभी सैनिकों को नमन किया गया। श्रीभगवान शर्मा ने कहा कि आज हम एक बार फिर से तिरंगे के साए में खड़े है। तिरंगा हमें सिर्फ अपनी आजादी का नहीं, बल्कि उन लाखो बलिदानों का भी स्मरण कराता है, जिन्होंने अपनी सांसे इस मिट्टी के नाम कर दी।

हिन्दू मॉडल स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस

चरखी दादरी। गांव मौड़ी के हिन्दू मॉडल स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या अर्चना जाखड़ ने ध्वजारोहण किया। पांचवीं के अंश, प्रथम, आयुश, तनुज, मीनल, हिमांशी, चेतना, हर्षिता, नव्या आदि ने 'सौंगध मुझे इस मिट्टी की' गीत पर प्रस्तुति देकर पूरे पंडाल को देश-भक्ति से ओत-प्रोत कर दिया।

मकान में चोरी के पांच आरोपियों को पकड़ा

भिवानी। पुलिस की एवीटी स्टाफ ईशरवाल के द्वारा बवानी खेड़ा में रात के समय घर से सोने- चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक थ्री व्हीलर को भी बरामद कर लिया गया। सिकंदरपुर निवासी एक महिला ने थाना बवानी खेड़ा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। एवीटी स्टाफ ईशरवाल के उपनिरीक्षक विनोद ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजय पुत्र जय नारायण निवासी जुलाना, श्यामू पुत्र राजकुमार निवासी गली नंबर- 03 रेलवे स्टेशन बहादुरगढ़, दीपक पुत्र रमेश निवासी देव कॉलोनी सापला, संदीप पुत्र दिलबाग निवासी देव कॉलोनी सापला व मनोज पुत्र रमेश निवासी देव कॉलोनी सापला के रूप में हुई।

ग्रामीणों ने निकाला कैंडल मार्च, मार्केट बंद, दिया धरना

शिक्षिका हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर एकजुट व्यापारी व ग्रामीण

समाज को ज्ञान देने वाली शिक्षिका की निर्मम हत्या व्यवस्था पर खड़े कर रही है सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

गांव सिंघानी में शिक्षिका मनीषा की गला रेतकर की गई हत्या मामले में न्याय की मांग को लेकर ग्रामीण और व्यापारी एकजुट हो गए हैं। इस मामले में पुलिस की कथित लापरवाही से नाराज होकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में शनिवार रात को तोशाम क्षेत्र के गांव ईशरवाल में एक विशाल कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इसके बाद रविवार को पूरे गांव की मार्केट बंद रही और व्यापारियों ने धरना दिया। इस विरोध प्रदर्शन में सिर्फ ईशरवाल ही नहीं, बल्कि आस-पास के कई गांवों के लोग भी शामिल हुए। हसान, साहलेवाला, रोढया, बुसान, कतवार, ढ़ाणी कतवार, खावा, भारीवास, झुल्ली, जैनावास, देवावास, मंढ़ाण, सिंढ़ाण, कलाली, बिधवान, कालौद, गोपालवास, पटौदी और थिलौड़ जैसे गांवों से आए गणमान्य व्यक्तियों और नागरिकों ने इस लड़ाई में पूरा समर्थन देने का वादा किया। इस मौके पर ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के युवा प्रदेश अध्यक्ष युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा व सरपंच उमेद सिंह कादियान फौजी ने कहा कि जब तक मृत शिक्षिका के हत्यारोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता और इस मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि न्याय की इस लड़ाई में वे हर कदम पर मृतिका के परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षिका की निर्मम हत्या समाज को झकझोर देने वाली घटना है।

भिवानी। धरने को संबोधित करती इनेलो महिला विंग प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला।

धरने पर पहुंचे जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह और इनेलो की सुनैना चौटाला

लोहारू। सिंघानी में शिक्षिका के हुए जघन्य हत्याकांड के मामले में दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सिंघानी में पांचवें दिन भी धरना जारी रहा। धरने को पक्ष और विपक्ष के अनेक नेताओं ने समर्थन दिया और घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। रविवार को जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष से दिग्विजय सिंह चौटाला, इनेलो की महिला प्रदेश अध्यक्ष सुनैना चौटाला, कांग्रेस नेता राव दान सिंह, विधायक जस्सी पेटवाड़, हर्ष छिकारा सहित अनेक राजनीतिक और गैर राजनीतिक दलों के नेताओं ने धरना स्थल पर पहुंचकर शिक्षिका हत्याकांड पर रोष जाहिर किया और सरकार को जमकर कोसा। धरने को संबोधित करते हुए दिग्विजय सिंह चौटाला ने मृतक शिक्षिका के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। चंडीगढ़ में बैठकर सरकार महज लीपापोती कर रही हैं। सुनैना चौटाला ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा की और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। सरकार अपराधों पर नियंत्रण पर विफल साबित हो रही है।

तोशाम। कस्बे में प्रदर्शन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

सुंगरपुर में ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

तोशाम। लोहारू हल्के के ढाणी लक्ष्मण गांव में महिला शिक्षिका मनीषा की निर्मम हत्या ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के विरोध में रविवार को सुंगरपुर बस स्टैंड पर सैकड़ों ग्रामीणों ने एकत्र होकर जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहा कि यह केवल एक परिवार का दर्द नहीं, बल्कि पूरे समाज की चीख है। आज बेटियाँ सुरक्षित नहीं हैं, माता-पिता का विश्वास टूट चुका है और हत्यारे बेखौफ खुलेआम घूम रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सत्ता का मौन और प्रशासन की नाकामी इस बात का सबूत है कि हरियाणा में लोकतंत्र नहीं, बल्कि भय और अन्याय का जंगलराज चल रहा है। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने कहा कि सुंगरपुर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लोग मनीषा को न्याय दिलाने की लड़ाई में तन-मन-धन से मजबूती से खड़े रहेंगे। यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं बल्कि बेटियों की अस्मिता और समाज के विश्वास की लड़ाई है। इस मौके पर प्रदर्शन में राजपाल प्रधान, कृष्ण वर्मा, समुंदर सिंह, राजेश तंवर, महेंद्र सेठ, महेंद्र शेखावत, डॉ. अमित तंवर, मुन्ना गुर्जर, संदीप तंवर स्वामी, राजवीर स्वामी, अक्षय तंवर, नीरज, राहुल तंवर, अमित तंवर, दीपू, सोनू, सूरत,रामबीर गुज्जर, राहुल वर्मा, हर्ष तंवर, भोलू वर्मा, विजय वर्मा, प्रीतम नाई, रविन गुज्जर, उमेद तंवर, अनुज तंवर सहित अनेक ग्रामवासी मौजूद रहे।

विधायक फरटिया ने शाह और सीएम को लिखा पत्र

- मृतक शिक्षिका के दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

सिंघानी में नहर के पास मिले ढाणी लक्ष्मण की युवती के क्षत विक्षत शव के मामले में पुलिस के पांच दिन बाद भी हाथ खाली बताए जा रहे हैं।

चार दिनों से ढिगावा में दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना चल रहा है और परिजन व इलाके के लोग दोषियों की गिरफ्तारी नही होने तक शव अंतिम संस्कार नही करने पर अड़े हैं। मामला तूल पकड़ता जा रहा है गांव गांव में लोग घटना की निंदा कर रहे हैं। कहीं कैंडल मार्च तो कहीं लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में लोहारू के विधायक राजबीर सिंह फरटिया ने देश के गृहमंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर मृतक शिक्षिका के दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की मांग की है। ताकि बेटी और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। लिखे गए पत्र में विधायक राजबीर फरटिया ने मांग की कि इस पूरे मामले की एसआईटी या सीबीआई से जांच करवाई जाए, दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए, पीड़ित परिवार को आवश्यक आर्थिक मुआवजा व सरकारी नौकरी दी जाए और प्रदेश की बेटियों को बेहतर शिक्षा व सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

आरोपियों को गिरफ्तार को लेकर ढिगावा धरने में पार्टी के लोग शामिल हुए

- माकपा जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने निर्मम हत्या की घटना की घोर निंदा की

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

माक्र्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की भिवानी जिला कमेटी ने सिंघानी गांव के स्कूल में कार्यरत एक अध्यापिका की गत मंगलवार को की गई निर्मम हत्या की कार्यवाही की घोर निंदा की है तथा पुलिस प्रशासन से निर्मम हत्या में शामिल सभी अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करते हुए उन्हें कड़ी सजा दिलवाने की मांग को लेकर ढिगावा धरने में पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। माकपा जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने बेटी मनीषा के अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर चल रहे ढिगावा धरने में बोलते हुए कहा कि यदि लडक़ी के परिवार की तरफ से दी गई शिकायत पर समय रहते लोहारु पुलिस शीघ्र कार्यवाही करती तो उस लडक़ी की जान बच सकती थी। उनके साथ पार्टी नेता निर्मल नाथूवास , सुमेर सांगवान व अन्य साथी थे।

ग्रामीणों ने डिग्गी पर ताला जड़ा

- गंदे पानी की सप्लाई से त्रस्त रेवाड़ीखेड़ा के ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गांव रिवाड़ी खेड़ा में पिछले लंबे समय से गंदे पानी की सप्लाई से त्रस्त ग्रामीणों ने गांव की पानी की डिग्गी पर ताला लगा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंदे पानी के कारण गांव में कैंसर और एलर्जी जैसी गंभीर बीमारियां फैल रही हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो जाता, तब तक वे डिग्गी का ताला नहीं खोलेंगे।

इस मौके पर ग्रामीण दीपक रेवाड़ी ने बताया कि गांव में लगभग 80 प्रतिशत लोग एलर्जी की बीमारी से पीड़ित हैं और पिछले 6 महीनों में सात लोगों की कैंसर से मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि नहर से आने वाला पानी गांव की डिग्गी में पहुंचने से पहले, पड़ोसी चांग गांव के गंदे पानी को उसी में मिलाया जा रहा है।

इसी प्रदूषित पानी की सप्लाई पूरे गांव में हो रही है, जिससे लोग लगातार बीमार पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने इस समस्या के बारे में बार-बार संबंधित विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से शिकायत की है। उन्होंने लीक हो रही पानी की लाइनों की मरम्मत की मांग भी की, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस गंभीर स्थिति से आहत होकर ग्रामीणों ने एकजुट होकर बड़ा कदम उठाया। उन्होंने डिग्गी पर ताला लगाकर प्रशासन के प्रति अपना विरोध दर्ज करवाया।

भिवानी। गंदे पानी की सप्लाई से त्रस्त लोग डिग्गी पर ताला जड़कर रोष जताते हुए।

सड़क नवनिर्माण के चलते आमजन हलकान

- बरसाती सीजन के चलते कार्य में ढिलाई, लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सेक्टर 23 के मार्केट वाले मुख्य मार्ग के नवनिर्माण के चलते अनेक घरों की सीवरेज व पानी की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके चलते सीवरेज का गंदा पानी सड़क पर घरों के सामने जमा हो गया और आवागमन भी काफी हद तक प्रभावित हो गया।

क्षेत्रवासियों का आरोप हैं कि एक माह से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद सड़क का निर्माण नहीं हो पाया हैं और कार्य में काफी ढिलाई बरती जा रही हैं। वहीं नवनिर्माण के लिए सड़क की परत को उखाड़ा जा रहा हैं, जिसके चलते अनेक घरों की सीवरेज व पानी की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। उल्लेखनीय हैं कि सेक्टर 23 के मार्केट वाले मुख्य मार्ग का नवनिर्माण किया जाना हैं, जिसका गत 3 जुलाई को विधायक घनश्यामदास सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने नारियल तोड़कर श्रीगणेश किया था और ठेकेदार ने इसके बाद नवनिर्माण शुरू करवा दिया। वहीं क्षेत्रवासी सुखबीर सिंह, राजबीर कादयान, बाबूलाल, कर्मबीर कटारिया, रतिपाल चौहान, राजेंद्र दिसोदिया, जयसिंह, यशवंती व मन्नी देवी ने ठेकेदार पर कार्यक्रम में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया।

भिवानी। सेक्टर 23 के मार्केट वाले मुख्य मार्ग के नवनिर्माण के दौरान सीवरेज व पानी की लाइन टूटने से भरा पानी। फोटो: हरिभूमि

क्षेत्रवासियों में आक्रोश

क्षेत्रवासियों का कहना हैं कि कार्य शुरू किए एक माह से ज्यादा समय हो चुका हैं, लेकिन अभी तक परत उखाड़ने का कार्य ही किया जा रहा हैं, वो भी पूरे रोड की परत उखाड़ने का कार्य, जिसके चलते क्षेत्रवासियों को आवागमन में परेशानी हो रही हैं। क्षेत्रवासियों का कहना हैं कि सड़क के नवनिर्माण के चलते ठेकेदार के कारिंदों द्वारा अनेक घरों की सीवरेज व पानी की लाइन तोड़ दी, जिसकारण सीवरेज का गंदा पानी सड़क पर घरों के सामने जमा हो गया और आवागमन भी काफी हद तक प्रभावित हो गया। वहीं सेक्टर 23 रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान एवं रिटायर्ड एक्सईएन सज्जन कुमार सिंगला ने बताया कि बरसाती सीजन के चलते बार बार बारिश होने के कारण कार्य में काफी ढिलाई रही हैं, लेकिन अब ठेकेदार को कार्य में तेजी लाने के लिए कहा गया हैं, ताकि लोगों को परेशानी न हो।

सरस्वती स्कूल के बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

चरखी दादरी। गांव कादमा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि धर्मबीर सिंह ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालयों के अनेक छात्रों ने रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिसमें सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कादमा के विद्यार्थियों ने 'जिद है इतिहास बदलने की' थीम पर कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन-मोह लिया। विद्यार्थियों ने अपने कार्यक्रम में हर क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख कर यह बता दिया कि विश्व में भारत किसी से कम नहीं है। मुख्य अतिथि धर्मबीर व जिला उपायुक्त मुनीश शर्मा व प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने आपसी सहमति से कोई पोजीशन न निकालते हुए सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की और उन्हें ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया।

रेशनेलाइजेशन के विरोध में प्रदर्शन

- यूनियन कर्मचारियों ने बैठक कर प्रदर्शन व ज्ञापन की रूपरेखा की तैयार : सुशील

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा गवर्मेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्ज यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ की शाखा पीएच कैरू की मीटिंग जुई जलघर में संपन्न हुई। मीटिंग की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान राजपाल तंवर ने की तथा मंच संचालन ब्रांच सचिव कुलदीप भागनढ़ ने किया। इस मौके पर राज्य संगठन सचिव सुशील आलमपुर तथा जिला कोषाध्यक्ष विनोद तंवर पहुंचे। सभी कर्मचारियों ने भिवानी जिला के सिंघानी गांव में हुई शिक्षिका की हत्या मामले पर भी सरकार को घेरा तथा कहा कि एक तरफ तो सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देती है, वहीं बेटियों की निर्मम हत्या होती है, लेकिन सरकार व प्रशासन इस मामले में कार्रवाई की बजाय चुप्पी साधे बैठे है। उन्होंने दो मिनट का मौन रखकर मृतका को श्रद्धांजलि दी। सरकार की रेशनेलाइजेशन नीति के विरोध में 18, 19 व 20 अगस्त को प्रदेश भर में अधीक्षक अभियंता पीएच, अधीक्षक अभियंता सिंचाई विभाग, अधीक्षक अभियंता बीएंडआर के माध्यम से एसीएस व ईआईसी को ज्ञापन सौंपकर रोष जताया जाएगा।

भिवानी। मीटिंग के दौरान विरोध जताते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

नरसिंह वास के प्राचीन शिव मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

चरखी दादरी। गांव नरसिंह वास के प्राचीन शिव मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व बड़ी श्रद्धा और धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण को झूला झुलाकर जन्मोत्सव मनाया। अर्धरात्रि तक महिलाओं व पुरुषों ने भजन-कीर्तन कर जागरण किया और पूरे वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। मंदिर के पुजारी देबल भक्त ने भगवान कृष्ण की महिमा का गुणगान करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म व आस्था का संदेश दिया। इस अवसर पर ईश्वर, रामेहर, सत्यनारायण, बाबुलाल, प्रवीन, मुरारी, संजय, बिजेंद्र सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दी और समाज में प्रेम, भाईचारे व धार्मिक आस्था को बनाए रखने का संकल्प लिया।

डिस्ट्रिक्ट भिवानी लॉयर्स ने 15 रन से हराया

भिवानी। डिस्ट्रिक्ट भिवानी लॉयर्स व कोर्ट स्टाफ टीम के बीच जन्माष्टमी के उपलक्ष में टी-20 क्रिकेट मैच खेला गया। मैच का शुभारंभ टॉस के साथ हुआ। लॉयर्स टीम के कप्तान सुमित तंवर तिगड़ानिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। लॉयर्स भिवानी टीम ने कप्तान सुमित के नेतृत्व में लॉयर्स क्लब भिवानी ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर कोर्ट स्टाफ टीम को 165 रन का लक्ष्य दिया, जिसमे अजय शर्मा ने धुंआधार पारी खेलकर 29 गेंदों में शानदार नाबाद 50 रन की पारी खेली और दूसरी तरफ लॉयर्स टीम के खिलाड़ी मनीष लूथरा ने शानदार नाबाद 42 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूती दी। लॉयर्स टीम में विकास नागर व रमन तंवर ने भी क्लासिक शॉट्स लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं स्कोर का पीछा करते हुए कोर्ट स्टाफ की टीम मात्र 150 रन ही बना सकी।

संत निरंकारी मिशन का वननेस वन परियोजना अभियान

पौधे लगाना संस्कार, सेवा, कर्तव्य एवं साधना

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के पावन आशीर्वाद से संत निरंकारी मिशन द्वारा वननेस वन परियोजना के पांचवें चरण का आयोजन देशभर के 600 से अधिक स्थलों पर पूर्णश्रद्धा और उत्साह से संपन्न हुआ।

वर्ष 2021 में आरंभ हुआ अभियान हरे भरे वृक्षों में प्रेरित हो चुका है, जो लघु वनों का स्वरूप ले चुके हैं। इन वनों में प्रवासी पक्षियों की वापसी और जैव विविधता का पुनरुत्थान ये प्रमाणित करता है कि ये प्रयास केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं, बल्कि प्रकृति के पुनर्जीवन का माध्यम भी बन चुका है।

भिवानी। पौधरोपण करते संत निरंकारी मिशन के अनुयायी। फोटो: हरिभूमि

औषधीय गुणों से युक्त तथा फलदार पौधे लगाए

इसी श्रृंखला में भिवानी जोन के जोनल इंचार्ज बलदेव राज नागपाल बताया कि 21 अगस्त 2021 को प्रथम चरण में वननेस वन परियोजना के तहत महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय के परिसर में 1 एकड़ जमीन पर वननेस वन में लगभग 2500 पौधें लगाए थे, जिनकी लगातार देखभाल की गई और वे पौधें आज पूर्ण रूप से विकसित होकर सुन्दर वन का रूप ले चुके हैं। आज पुनः औषधीय गुणों से युक्त तथा फलदार पौधे लगाए। संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने जानकारी सांझा करते हुए बताया कि वननेस वन अभियान केवल हरियाली फैलाने की पहल नहीं है, बल्कि यह प्रकृति से जुड़ाव मानवीय उत्तरदायित्व और सह अस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करने का एक समर्पित प्रयास है। वननेस वन परियोजना केवल वृक्षारोपण नहीं यह प्रकृति सेवा और सह अस्तित्व का एक जीवंत आंदोलन है। सतगुरु की छाया में वननेस वन का यह अभियान सेवा समर्पण और प्रकृति प्रेम कि वह साधन है जो पर्यावरण संरक्षण को एक आध्यात्मिक अनुभव में परिवर्तित कर देती है। निःसंदेह ये अभियान स्पष्ट संदेश देता है कि पौधा लगाना केवल एक कार्य नहीं बल्कि संस्कार, सेवा, कर्तव्य, साधना है, जिसे निरंकारी मिशन बखूबी निभा रहा है।

पहले क्रांतिकारी थे मदनलाल ढींगरा

भिवानी। महान क्रांतिकारी मदनलाल ढींगरा बलिदान दिवस 17 अगस्त 1909 ढींगरा देश के लिए देश के बाहर फांसी चढने वाले पहले क्रांतिकारी थे । इंग्लैंड में पढाई के दौरान वीर सावरकर जी के संपर्क में आये और आज़ादी के आन्दोलन में जुट गए । सावरकर जी ने इन्हें हथियार चलाने की ट्रेनिंग दिलवाई । यह बात स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र पाल यादव ने उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कही। मौके पर सुरजभान बामला, रामअवतार गुप्ता, धर्मपाल ग्रेवाल, जसबीर फौजी, रणवीर सांगवान, रामपाल यादव, बिजेन्द्र कोट, चत्तर जीताखेडी, अमर सिह यादव, सुभाष बामला आदि मौजूद रहे।

गोगा मेड़ी पहुंचकर लोगों ने मांगी मन्नतें, नवमी पर मेलों का आयोजन

गोगा मेड़ी पहुंचकर मांगी मन्नतें, नवमी पर मेलों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पूरे जिले में रविवार को बड़े धूमधाम से गोगा नवमी का पर्व मनाया गया। शहर, कस्बों के अलावा गांवों में स्थित गोगा मेड़ी में लोगों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की और मन्नतें मांगी। प्रसाद वितरित किया गया। कई जगहों पर गोगा मेड़ी में भंडारे का आयोजन करके श्रद्धालुओं को भोजन आदि भी करवाया गया। शाम तक इसी तरह का माहौल बना रहा। वहीं देर रात जन्माष्टमी पर अनेक जगहों पर जागरण व भंडारे का आयोजन हुआ। रात को करीब एक बजे के बाद चांद के दर्शन होने के बाद ही महिला व पुरुषों ने व्रत खोला। इससे पूर्व भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना की और सुखी जीवन की कामना की। अल सुबह ही श्रद्धालुओं का गोगा मेड़ी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने मेड़ी में पहुंचकर मत्था टेका और विश्व शांति की कामना की। जैसे ही दिन चढना शुरू हुआ तो उसी हिसाब से लोगों की भीड़ बढ़ने लगी। खासकर महिलाओं की संख्या अच्छी खासी रही। महिलाओं ने गोगा मेड़ी पहुंचकर मेले में पूजा अर्चना के बाद जमकर खरीददारी भी की गई। भिवानी शहर में कृष्णा कॉलोनी स्थित मेड़ी में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई। शाम तक अच्छी खासी भीड़ पहुंची। यही स्थिति नया बाजार इलाके में स्थित गोगा मेड़ी की रही। यहां पर भी अनेक श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा अर्चना की।

भिवानी। गोगा मेड़ी पर आयोजित मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

भंडारा लगाकर वितरित की प्रसाद

शहर ही नहीं ग्रामीण इलाकों में भी इस बार भंडारे का आयोजन करके लोगों में प्रसाद वितरित किया गया। गोगामेडी परिसर में ही भंडारा तैयार करवा कर वहां पर पहुंचने सभी श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। अनेक श्रद्धालुओं ने भंडारे का आयोजन करके प्रसाद बांटा। दूसरी तरफ गोगा मेड़ी कमेटी की तरफ से भी लोगों में भंडारे का प्रसाद वितरित किया गया। देर शाम तक भंडारे का प्रसाद वितरित होता रहा। दूसरी तरफ सभी गोगा मेड़ी में भजन किर्तन का आयोजन होता रहा।

शिव मंदिर में मनाई जन्माष्टमी

- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बच्चों ने मनमोहक झांकियां पेश कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा
- समुदाय को एक साथ आने और खुशी बांटने का अवसर देते है धार्मिक आयोजन : जेई जावला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

महम रोड़ स्थित जनस्वास्थ्य विभाग के परिसर में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया था और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। उत्सव के दौरान बच्चों ने कई मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा के रूप में सज-धजकर अद्भुत प्रस्तुतियां दीं, जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। बच्चों की इन मनमोहक झांकियों ने सभी का ध्यान खींचा और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के भजनों का आनंद लिया और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर प्रबंधन कमेटी के प्रधान और जेई बिजेश कुमार जावला ने बताया कि जन्माष्टमी उत्सव के दौरान एक विशेष आकर्षण रहा मंदिर परिसर में लगाए गए नवनिर्मित शेड का उद्घाटन।

भिवानी। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर दक्ष लोधा व टविंकल लोधा ने ध्यान अपनी और खींचा

बवानीखेड़ा। बवानी खेडा के निजी विद्यालय में पढ़ने वाले बलियाली निवासी दक्ष लोधा व टिवंकल लोधा ने श्री कृष्ण जन्माष्ठमी पर्व पर अपनी प्रस्तुति देकर सभी का ध्यान अपनी और खींचने का कार्य किया। यूं प्रतित हो रहा था मानों भगवान कृष्ण बच्चों के रूप में विद्यालय प्रांगण में आए हैं। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलजीत उर्फ जीतू लोधा ने बताया कि घर में हमेशा श्री कृष्ण व सभी देवताओं की पूजा की जाती है। बच्चों का मन भी प्रभू भक्ति में रहता है। देवताओं की पूजा करना व बड़ों का आदर सत्कार करना उनके खून में शामिल है। उन्होंने सभी परिजनों से अपने बच्चों में ऐसे ही संस्कार देने की बात कही।

चेतराम प्रजापति धर्मशाला धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व

भिवानी। दिनोद गेट स्थित चेतराम प्रजापति धर्मशाला में समस्त प्रजापति समाज द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान नन्हे-मुन्हे बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण, राधा व रूकमणी की पोशाक पहनकर कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान मधुर भक्ति गीतों पर नन्हे-मुन्हे बच्चों ने जोशीले नृत्य प्रदर्शन भी किया। लघु बांसुरी, मोर पंख और जीवंत टोपी से सुसज्जित बच्चों की प्रस्तुतियां देखते ही बनती थी। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों व खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें ना केवल बच्चों का मनोरंजन हुआ, बल्कि भगवान कृष्ण की शिक्षाओं से प्राप्त आवश्यक मूल्य भी प्रदान किए गए। इस मौके पर बतौर मुख्यअतिथि बीपीएचओ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जयभगवान ठेकेदार प्रजापति ने शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलदीप प्रजापति ने की। कार्यक्रम के आयोजन में शशी प्रजापति नाथुवास, संजय तंवर, सत्यजीवन तंवर, डा. रत्न तंवर प्रजापति व गोविंद तंवर प्रजापति का भी विशेष योगदान रहा।

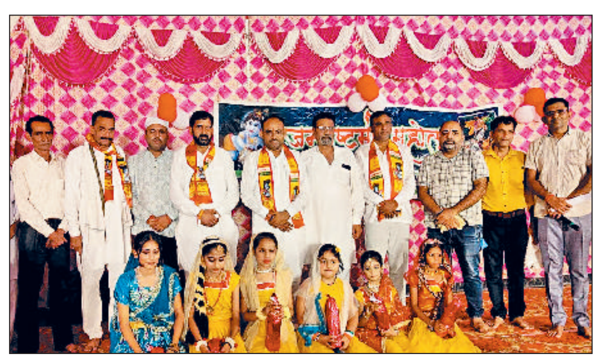

बाबा कमाल में आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रम में बच्चों ने दी प्रस्तुतियां

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा स्थित बाबा कमाल मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में विधायक कपूर वाल्मीकि, विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक कपूर वाल्मीकि के बड़े भाई समाजसेवी मास्टर राजेश कुमार, नपा चेयरमैन सुंदर अत्री, जगदंबा महता, नवीन गक्खड़, देवेन्द्र अत्री, विनित तवंर ने शिरकत की। कार्यक्रम बाबा कमाल समिति द्वारा किया गया जिसमें सुभाष शर्मा, संजय महता, पम्मी चुघ,, संजय डुमड़ा, मुनीष डुमड़ा, मनोज डुमड़ा, सुभाष चित्रा सहित अनेकों समाजसेवियों ने अपनी अहम भूमिका अदा की। कार्यक्रम में बच्चों ने भगवान कृष्ण की अनेक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की और मधुर गीतों से सभी का मन मोह लिया। वहीं विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि उनको यहां पहुंचने का सौभाग्य मिला है।

नंद घर आनंद भए जय कन्हैया लाल की...

- तोशाम के विभिन्न मंदिरों में शनिवार देर रात्रि तक धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

शनिवार देर रात्रि कस्बे में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान कान्हा के जन्मोत्सव की खुशी में विभिन्न मंदिरों में सुंदर-सुंदर झांकियां सजाई गई तो पालने अर्थात झूलों में कान्हा के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल को सजाकर बैठाया गया था जहां श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ झूला झूलाते हुए पूजा अर्चना की। इसी कड़ी में कस्बे के प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, पहाड़ी पर स्थित बाबा मुंगीपा मंदिर, तोशाम के एकमात्र दक्षिण मुखी संकटमोचन मेहंदीपुर बालाजी दरबार, सनातन धर्म मंदिर, श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आश्रम आदि सहित विभिन्न मंदिरों में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। जिसमें विभिन्न झांकियों के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण की जीवन लीलाओं का सजीव चित्रण किया गया। कहीं भगवान श्री कृष्ण के बाल रूप में माखन चोर लीला दर्शाई गई तो कहीं पूतना वध तथा राजा कंस का अत्याचार दर्शाया गया। इस दौरान पहुंचे श्रद्धालुओं का विशेष आकर्षण पालने में झूलते लड्डू गोपाल की तरफ रहा।

तोशाम। जन्माष्टमी पर्व पर श्रीकृष्ण का रूप धारण किए एक बालक।

भक्ति मार्ग पर चलकर ही बचाव संभव

जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर तोशाम के एकमात्र दक्षिणमुखी संकटमोचन मेहंदीपुर बालाजी दरबार के सिद्ध महंत पंडित रामकिशन महाराज गोवर्धन-मथुरा वाले ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण ने अपनी लीलाओं के माध्यम से समाज को पहले ही संदेश दे दिया था कि कलयुग में राजा कंस जैसा अत्याचार, चोरी, लूट, व्यभिचार आदि सहित अनेक तरह का पाप बढ़ेगा जिनसे इंसान भक्ति मार्ग पर चलकर ही अपना बचाव कर सकता है। इस दौरान प्राचीन दुर्गा माता मंदिर में आयोजित कार्यक्रम कमेटी ने आए हुए अतिथियों का फूल-मालाओं, पगड़ी तथा दुपट्टा ओढाकर भव्य स्वागत किया तथा अतिथियों को स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉक्टर कुलदीप भारद्वाज, दीपक कालड़ा, चरण देव महता, रवि बंसल, मास्टर चंद्रशेखर तलेजा, गीता तलेजा, विपिन सचदेवा, श्याम शर्मा, प्रताप जिंदल, नवीन गोयल, विनोद गोयल, कमल शर्मा मीरान वाले, मास्टर चंद्रभान, रामप्रकाश मिड्ढा, भूषण सरदाना, जगदीश गजवानी, संजय, नरेश, सुरेंद्र सरदाना, कोच संदीप बॉक्सर, दिनेश मिड्ढा, विकी सचदेवा, विक्रम चौहान, नरेश महता, जतिन जिंदल, ओमप्रकाश शर्मा मुंगीपा वाले, प्रवीण कुमार, हर्ष बंसल, जतिन बंसल आदि सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

भारत को पुन: विश्व गुरु बनाने का लें संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

नैतिक व चारित्रिक मूल्यों को जीवन में धारण कर श्रीकृष्ण के समान बन सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्था में दी जाने वाली शिक्षा से मानव देवतुल्य बनता है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर रात्रि को आयोजित झांकी व सांस्कृतिक कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व गोगा नवमी पर्व पर शुभकामनाएं देते हुए व्यक्त किए। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण के विभिन्न रूपों को झांकी के माध्यम से दर्शाया, जिसमें श्रीराधा कृष्ण गोपियों के साथ नृत्य ने उपस्थितजनों का मनमोह लिया। ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि आध्यात्मिक व चारित्रिक मूल्यों को जीवन में धारण कर भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने के संकल्प के साथ जन्माष्टमी व गोगा नवमी का पावन पर्व मनाए। उन्होंने कहा कि हमारे देश में वर्ष के 365 दिनों में से 366 त्यौहार मनाए जाते हैं जो भारतीय संस्कृति व मूल्यों को दर्शाते हैं।

भिवानी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

दिव्यांग बच्चों ने श्रीराधे-कृष्ण की प्रस्तुत की मनमोहक झांकियां

भिवानी। आस्था स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में श्रीराधे कृष्ण की अनेक मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की। दिव्यांग विद्यार्थियों ने हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की, नंदबाबा के घर जन्मो नंदगोपाल नंदलाला, जय श्रीकृष्ण हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेवा, गोबिंद बोलो गोपाल बोलो और कान्हा फोड़े मटकी सखिया गीतों पर सुंदर प्रस्तुतियां दी।

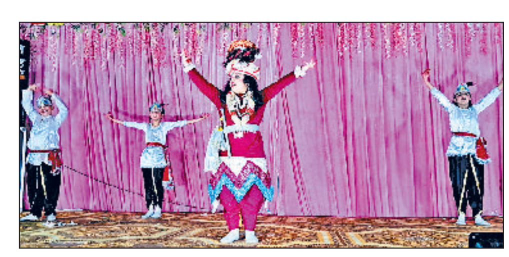

जन्माष्टमी पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की श्रीकृष्ण लीला

भिवानी। सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी मंदिर आश्रम में जन्माष्टमी पर्व को लेकर भव्य जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिलेभर के करीब 30 शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लेकर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े भक्तिमय गीतों व नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियां दी। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में विशेष सानिध्य श्रीमहंत डॉक्टर अशोक गिरी महाराज का रहा। इस अवसर पर महामंडलेश्वर संगमगिरी महाराज, कैलाशगिरी महाराज रहे। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की प्रेरणादायक लीलाओं व उनके जीवन से मिलने वाली शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन धर्म, सत्य, नीति और कर्तव्य का आदर्श उदाहरण है।

तरुणा सर्वश्रेष्ठ राधा व यश्वी सर्वश्रेष्ठ श्रीकृष्ण अवार्ड से हुए सम्मानित

भिवानी। श्रीराम सामाजिक सेवा समिति द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बीच ग्रुप डांस और झांकी प्रतियोगिता हुई। झांकी प्रतियोगिता में जीडी गोयनका और डांस में वैश्य मॉडल स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान जीता। विजेताओं को अतिथियों ने सम्मानित किया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की डांस स्पर्धा में वैश्य मॉडल स्कूल प्रथम, जीडी गोयनका और बिट्स इंटरनेशनल स्कूल संयुक्त रूप से द्वितीय, भिवानी पब्लिक स्कूल और वात्सल्यम ने संयुक्त रूप से तृतीय, उत्तमीबाई स्कूल व चेतन्य टेक्नो ने सांत्वना पुरस्कार जीता। इसके अलावा तरुणा को सर्वश्रेष्ठ राधा, यश्वी कौशिक को सर्वश्रेष्ठ श्रीकृष्ण, जीडी गोयनका के शुभम जांगड़ा को सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफर का अवार्ड मिला।

नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण विजेता जिविका का किया स्वागत

- मुक्केबाज जिविका ने अपनी उपलब्धि के दम पर एक बार फिर किया भिवानी को गौरवांवित : इंदु परमार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

मिनी क्यूबा के नाम से मशहूर भिवानी के ना केवल बेटे बल्कि बेटियों ने भी समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया है। इसी कड़ी में अब भिवानी की बेटी जीविका शेखावत ने नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर एक बार फिर से मिनी क्यूबा भिवानी का मान बढ़ाया है। पदक विजेता बेटी जिविका शेखावत के भिवानी पहुंचने पर रविवार को खेलप्रेमियों द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर स्वर्ण पदक विजेता जिविका शेखावत को रीति संगत सोसायटी की अध्यक्षा इंदु परमार ने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इंदु परमार ने बताया कि 7 से 13 अगस्त तक उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में आयोजित हुई चौथी अंडर-15 आयु वर्ग की सब जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जतीकर भिवानी वासियों को एक बार फिर से गौरवांवित करने का काम किया है।

भिवानी। पदक विजेता को सम्मानित करते हुए।

जनसंगठनों ने शहीद मदनलाल ढींगड़ा को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

शहीद मदनलाल ढींगड़ा के 116वें शहादत दिवस पर इंडिया गठबंधन के सहयोगी कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी व जनसंघर्ष समिति के सदस्यों ने रविवार को नेहरू पार्क के सामने स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस के शहरी प्रधान प्रदीप गुलिया, माकपा जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश व कमल सिंह प्रधान ने कहा कि शहीद मदनलाल ढींगड़ा ने अंग्रेज साम्राज्यवाद के विरोध में देश की आजादी के लिए इंगलैंड में जाकर अत्याचारी ब्रिटिश सेना के अधिकारी कर्जन वाईली की हत्या करके भारत की जनता के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने व उसके अपमान का बदला लेकर भारत के युवाओं में क्रांति की ज्वाला जगाई थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेज ने भारत की जनता में धर्म व जाति की फूट डालकर राज किया था, उसी तरीके से आज का शासक वर्ग सांप्रदायिक ताकतों की मदद से जनता में फूट डालो व कारपोरेट की तिजोरियां भरने वास्ते उसी अंग्रेजपरस्त रास्ते पर चल रहा है।

भिवानी। शहीद मदनलाल ढींगड़ा को श्रद्धांजलि देते जनसंगठनों के कार्यकर्ता।

अनिरुद्ध चौधरी ने मनीषा हत्याकांड पर जताया दुख

- जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने भिवानी के कांग्रेस कार्यालय पर किया ध्वजारोहण

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

जिला कांग्रेस पार्टी से ग्रामीण जिला अध्यक्ष बनने के पश्चात स्वतंत्रता दिवस पर भिवानी पहुंचे कांग्रेस नेता अनिरुद्ध चौधरी ने भिवानी में कांग्रेस कार्यालय तिलक भवन पर विभिन्न कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में तिरंगा ध्वजारोहण किया। इस दौरान मौजूद समस्त कांग्रेस नेता तथा कार्यकर्ताओं ने अनिरुद्ध चौधरी के ग्रामीण जिला अध्यक्ष बनने पर उन्हें बधाई देते हुए खुशी जाहिर की। इस दौरान उनका कहना था कि अनिरुद्ध चौधरी के जिला अध्यक्ष बनने से पार्टी को जिले में बहुत अधिक मजबूती मिलेगी तथा संगठन का विस्तार होगा। इस दौरान उन्होंने लोहारू के मनीष हत्याकांड पर गहरा दुख प्रकट किया और पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें समर्थन देते हुए न्याय दिलवाने का वादा किया। इस मौके पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास करके उन्हें जो जिला अध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी दी है उसके लिए वह पार्टी हाई कमान सहित समस्त वरिष्ठ तथा कनिष्ठ नेताओं तथा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हैं।

तोशाम। ढिगावा मंडी में आयोजित धरने में बैठे कांग्रेसी नेता अनिरुद्ध चौधरी।

भिवानी में भाजपा की जिला कार्यकारिणी बैठक: संगठन को मजबूत करने पर जोर

कार्यकर्ता का मजबूत होना ही पार्टी की असली ताकत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को पंचायत भवन में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, हरियाणा की सिंचाई एवं महिला बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी और जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक सहित जिले भर के प्रमुख पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनावों और पार्टी संगठन को मंडल से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत करना था। इस मौके पर प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए मूल मंत्र दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय बनाने की जरूरत है। शर्मा ने कहा कि बूथ स्तर पर हर कार्यकर्ता का मजबूत होना ही पार्टी की असली ताकत है। उन्होंने आने वाले कार्यक्रमों और योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें हर बूथ पर पार्टी की पहुंच सुनिश्चित करना और जनता से सीधा संवाद स्थापित करना शामिल है।

भिवानी। एकत्रित सदस्यों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कई नई योजनाएं लाई जा रही

हरियाणा की सिंचाई एवं महिला बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने क्षेत्र की एक अहम समस्या, नहर के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने पर बात की। उन्होंने इस विषय पर कई महत्वपूर्ण बातें बताई तथा कहा कि सरकार इस समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में कई नई योजनाएं लाई जा रही हैं, ताकि किसानों को पर्याप्त पानी मिल सके और उनकी फसलें बर्बाद न हों।

सभी के सहयोग से यह बैठक सफल रही

जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से यह बैठक सफल रही और इससे पार्टी को आगे की दिशा तय करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सभी मिलकर संगठन को और मजबूत बनाने के लिए काम करें और पार्टी के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाएं। कौशिक ने बताया कि यह बैठक आगामी चुनावों से पहले पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।